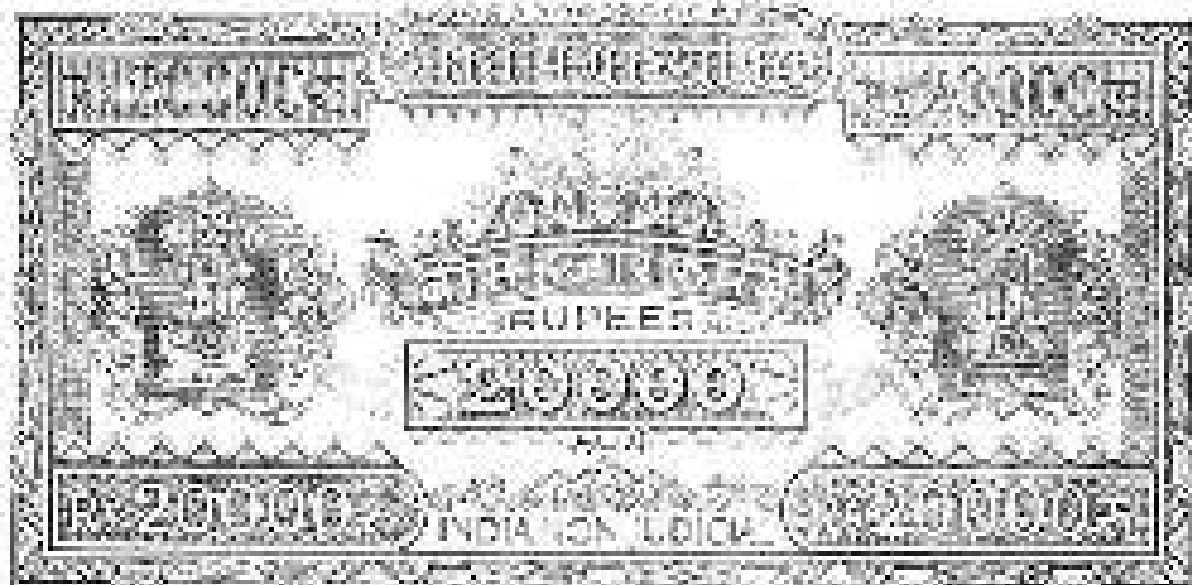




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

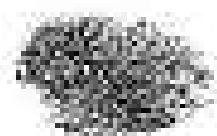
10/1/20



विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य : ₹ 2,37,043/-
 बाजार मूल्य : ₹ 1,10,200/-
 व्यापक मूल्य : ₹ 73,800/-
 परतना : मिर्जापुर

नर विक्रय विलेख मेखलास पुन लव श्यामलाल, निवासी राम
 गुजरावर नगर मुल्तान, परतना मिर्जापुर, तहसील व जिला
 लखनऊ जिन्हें अपने निवासी का मकान है, एवं बिना पुन



10/1/20

100

25 34 11

40 72 70 65

$$S_{\text{max}} - U_2 = 52.6 \text{ V}$$

(Faint handwritten notes in Devanagari script)



विशाल जंगल में एक नदी बह रही थी।
 एक बूढ़ा व्यक्ति उस नदी के किनारे खड़ा था।
 उसने कहा कि मैं यहाँ बहुत दिनों से आ रहा हूँ।
 मैंने देखा कि यहाँ की जमीन बहुत अच्छी है।
 मैंने देखा कि यहाँ के लोग बहुत अच्छे हैं।
 मैंने देखा कि यहाँ के पक्षी बहुत अच्छे हैं।
 मैंने देखा कि यहाँ के फूल बहुत अच्छे हैं।
 मैंने देखा कि यहाँ के पेड़ बहुत अच्छे हैं।
 मैंने देखा कि यहाँ के पत्थर बहुत अच्छे हैं।
 मैंने देखा कि यहाँ के सब कुछ बहुत अच्छे हैं।



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1951

(2)

जानेभार कोरी, निवासी-मिर्जापुर, मिर्जापुर, पोस्ट-नयागढ़,
जिला-मिर्जापुर, 3030 ग्रिड आने जिला कागज गवा है, की गवा
निष्पादित किया गया।

रत कि किनेला भूमि हासल सलवा-404 टयवा 0.297
हेक्टेयर मे ले 1/8, अर्थात् 0.048 हेक्टेयर व हासल सलवा 351
रकवा 0.548 हेक्टेयर मे ले 1/2, अर्थात् 0.274 हेक्टेयर इस
प्रकार कुल 41 जिला मे कुल रकवा 0.373 हेक्टेयर, रिगत मान



सिन्हा
20-5-51

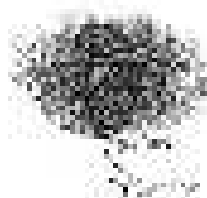


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

105572

-3-

मुगलकर नगर मुसफा नगरा बिलनीर, लखीम व
 मिला लखनऊ, के मालिक, लखनऊ व काबिल है तथा अखिल
 सत्तापति पट्टाधिकार खाता खर्चनी कम संख्या। 194 व 198 के
 अनुसार अखिल भूमि विज्ञान के नाम का अखिल अखिल राज्य
 अखिलेष्टी दिनांक 10.11.2004 को ही गया है, अखिल भूमि विज्ञान
 को अखिल में मिली है अखिल अखिल लखनऊ दिनांक अखिल नुं



105572



10000

इसी त्वाल में निम्न दिन्नी जोर जबरदस्ती का दखल रहे, मीता को
 इस विक्ताय बिन्दास द्वारा गितल पर रहा है विक्ताय अपरोक्त
 राज्य भूमि के मालिक, फामिल व फामिल है एवं वर्तमान समय में
 क्या भूमि कृषि भूमि है और यह कि गितला यह सोपित करता है
 कि उपरोक्त वर्णित भूमि समी प्रकार के मालों से मुक्त एवं पाक
 व साफ है तथा दिक्ता ने उसे इस दिक्ता के पूर्व पूर्ण रूप, बिना

10000
 10000

10000
 10000

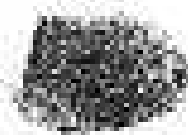


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

813352

- 3 -

किसी या अनुबंधित इलादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्रवाई के अनंतगत विवाद या दस्तु विषय नहीं है, न ही बूझा इत्यादि है। विवेका के अलावा अन्य भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या हस्त इत्यादि नहीं है, एवं विवेका को अपने विवेक अनुसार करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। आण्ड्र उपरोक्त दस्तावेजों के



१०/१०/१०

१०/१०/१०



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

613283

पसलकरन नं० 7,57,848/- लिपिका सात लाख सैंतीस हजार

अठ्ठाविंस मात्रा के प्रयोग में मिलया कि जरावाक जंगल द्वारा

दिलेला की इस विलेख के अन्त में दो नई अनुसूची में दर्जित सिंधि

के अनुसार गुलाम कर देना गया है एवं जिसकी वसति की

दिलेला उहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार जंगल विलेख जंगल कला

के रूप जरावाक वर्जित भूमि विलेख विवरण इस दिवस दिलेला



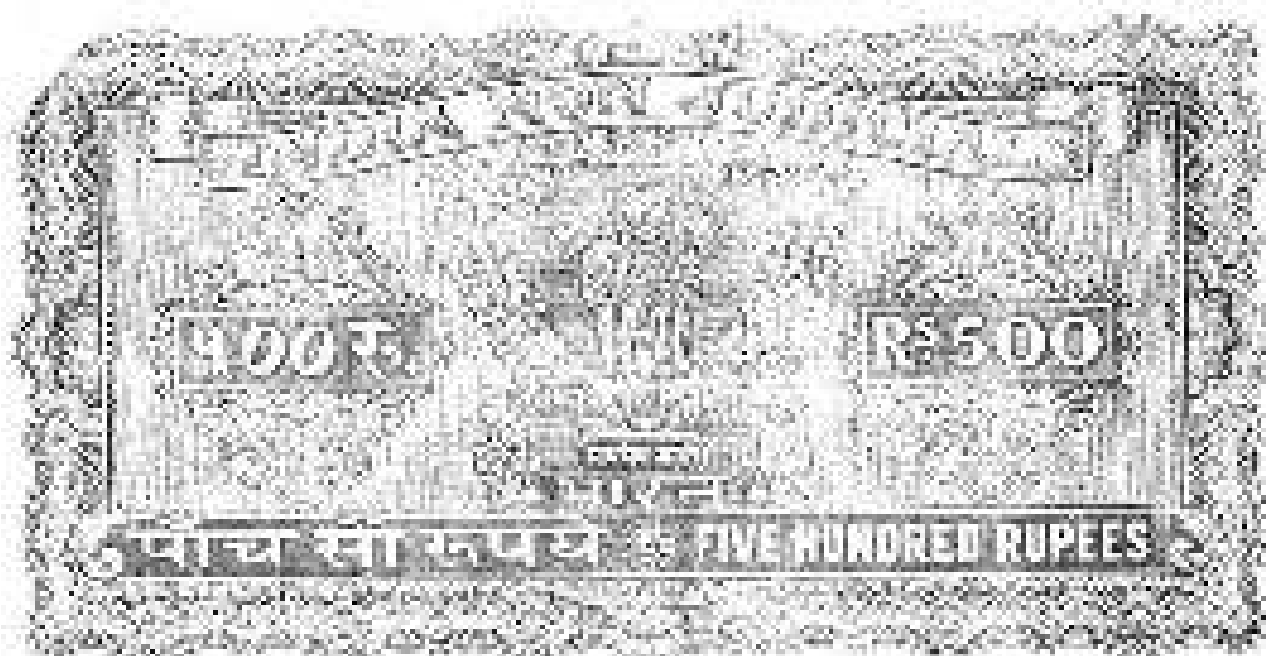


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

813254

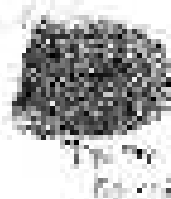
के अलावा मैं अनुसूची के अन्तर्गत दिशा गया हूँ, जो बिल्कुल सही दिया
है, एवं विवेका ने विवेकाशुभा दूरी का लोचन पर कब्जा किया जो
बहुत ही बड़ा दिया गया है। अब उल्ल आरजी पर विवेका तथा
उसके दाहिना का कोई अधिकार नहीं है। विवेका ने विवेकाशुभा
सम्पत्ति को अपने सम्पत्ति के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया
व सम्पत्ति के लिए अर्थात् को हस्तांतरित कर दिया है। अब उल्ल





- 8 -

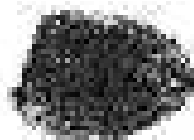
विश्वश्रुता सम्पत्ति एवं उसके पर्यटक भाग की अपने एकमात्र
स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं
उपयोग व सम्भोग करेगा। विदेशी जगहें किसी प्रकार की अड्डाल
पक्षा नहीं डाल सकेंगी एवं न ही कोई भाग कर सकेंगी। और यदि
विश्वश्रुता सम्पत्ति अथवा कोई भाग विदेशी के स्वामित्व में गिरि
के कारण या कानूनी अड्डाल या कानूनी गिरि के कारण गेता या



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29

उसके बाटिलान निष्पादकान इत्यादि यो कच्चे का अधिकार या
स्वयं से निकल जाये तो होता लगान बाटिलान, निष्पादकान
इत्यादि यो वह एक होगा कि वह अपना कामल मुकसान या
हानी व खर्चा, बिक्रीता की बात, अदल संवर्धित से जरीवे जदालत
मस्तुन कर लें। उस स्थित में बिगिता एका उसकी बाटिलान हानी व
खर्चा की रकम भाव्य होगा।



मि. अ. २



मि. अ. २



मि. अ. २

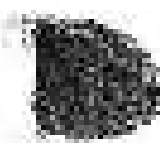
मि. अ. २

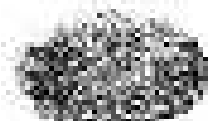
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

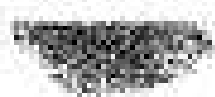
20/11/20

(12)

यह कि जेता विजयशुद्ध सम्पत्ति की दायित्व लाहौर
राजस्व अभिलेखा में अपने नाम दर्ज करा रहे तो विवेका को कोई
आपत्ति न होगी और यह कि इस विजय जिले के पुराने का अगर
कोई बकाया मिली तब यह बात इस सम्पत्ति पर होगा तो
उसको विवेका मुआवजा दे रहने करेंगे, विवेका को कोई आपत्ति
न होगी।


वि. वि.
महाराज


वि. वि.
महाराज


वि. वि.
महाराज


वि. वि.
महाराज

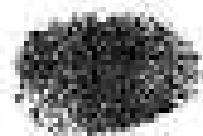
उत्तर प्रदेश (UTTAR PRADESH)

30/10/27

पृष्ठ- 3

- 11 -

यह कि ऊपरवाले कालस नक़्शे में मुजफ्फर नगर थानेवाल
अपेनगटोल क्षेत्र में विनिर्मित ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिये
निर्धारित सरफ़िल रकम रु० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब
से विक्रीत भूमि 0.373 हेक्टेयर की मात्रागत रु० 4,10,200/-
बैसी है, चूंकि निकट भूत, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है
इसलिये निम्नानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 33,00,000/- अंदाज़



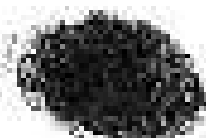
17/10/27

रक्षा अद्य किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विहीत भूमि क्षति के उपयोग के लिए ब्रह्म की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, या निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मीटर के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है। विहीत भूमि किलो मीटर, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विहीत भूमि शहरी गण के लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विहीत भूमि केला बोनी अनुसूचित जाति के सदस्य है। इस विक्रय विलेख के निबन्धन पर समस्त व्यव प्रोता द्वारा सहन किया गया है।

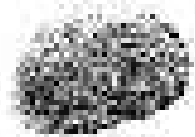
निम्नानुसार यह विक्रय विलेख विक्रयता में प्रोता के पक्ष में लिख दिया ताकि सन्तुष्ट रहे और आवश्यकता पड़ने पर कानून आगे।

परिशिष्ट : विक्रय विलेख संपत्ति का विवरण

खसरा संख्या-499 एका 0.297 हेक्टेयर में से 100
अर्थात् 0.049 हेक्टेयर व खसरा संख्या-952 एका 0.648



डि. ऑफ.
जिल्हें, झारखण्ड



डि. ऑफ.
जिल्हें, झारखण्ड



डि. ऑफ.
जिल्हें, झारखण्ड



डि. ऑफ.
जिल्हें, झारखण्ड

हेक्टेयर में से 1.2, अर्थात् 0.224 हेक्टेयर इस प्रकार कुल दो किताब कुल लम्बा 0.373 हेक्टेयर, स्थित ग्राम मुजफ्फर नगर मुजफ्फर, मरगना विजली, तहसील व जिला-लखनऊ, जिसकी सीमाएँ निम्न हैं।

खसरा नं० 351

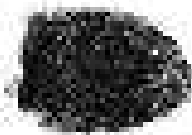
पूर्व : खसरा संख्या-356
 पश्चिम : खसरा संख्या-405
 उत्तर : खसरा संख्या-405
 दक्षिण : खसरा संख्या-410

खसरा नं० 352

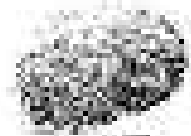
पूर्व : खसरा संख्या-339
 पश्चिम : खसरा संख्या-355, 356
 उत्तर : खसरा संख्या-351, 365
 दक्षिण : खसरा संख्या-354, 388

पारिशद : मुजफ्फर विवरण

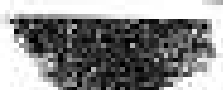
कुल विक्रय मूल्य रु० 2,37,048/- (दोपचा सार लाख तीस हज़ार अक्षतलिन मात्र) व से विभाजित का रु० 5,00,000/- (सस्तरा पाँच लाख मात्र) की पैक सं० 453730, व रु० 2,37,048/- लम्बा दो लाख तीस हज़ार अक्षतलिन



13/12/2019
 13/12/2019



13/12/2019
 13/12/2019



13/12/2019



13/12/2019

मात्र: द्वारा बैंक संख्या-455731 दिनांकित 15.06.2006.
 जाहीकर्ता बैंक प्रस्ताव नेशनल बैंक शाखा हजूरगढ़, लखनऊ
 विजेली ने प्रस्ताव को प्राप्त किया तथा जिसकी प्राप्ति विजेली
 स्वीकार करता है।

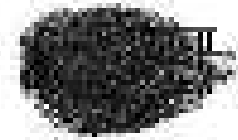
लखनऊ

दिनांक: 15.06.2006

समाप्त

1. 

Sanit Kumar Singh, T. P. Singh
Sanit Kumar Singh (Sanit Kumar)



हजूरगढ़

(विजेली)

2. *Sanit Kumar Singh*

1st, Minar Mahal Road,
Lucknow



हजूरगढ़

हजूरगढ़

(विजेली)

साईंकर

(विजेली)

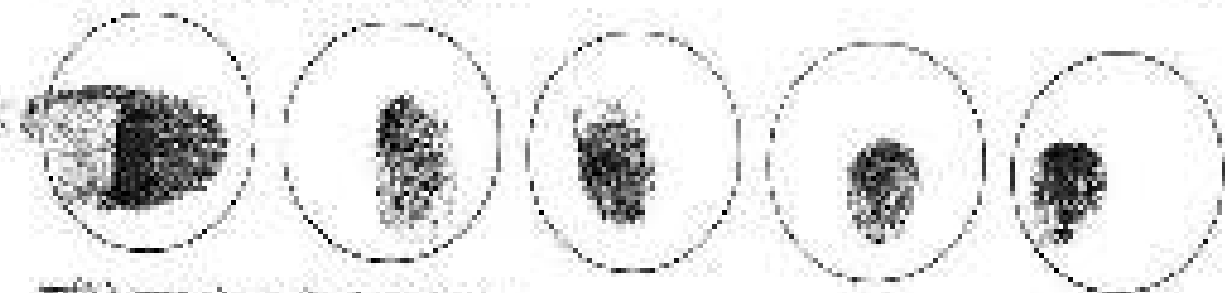
महाविदाकर्ता

(विजेली)
 (विजेली)
 (विजेली)

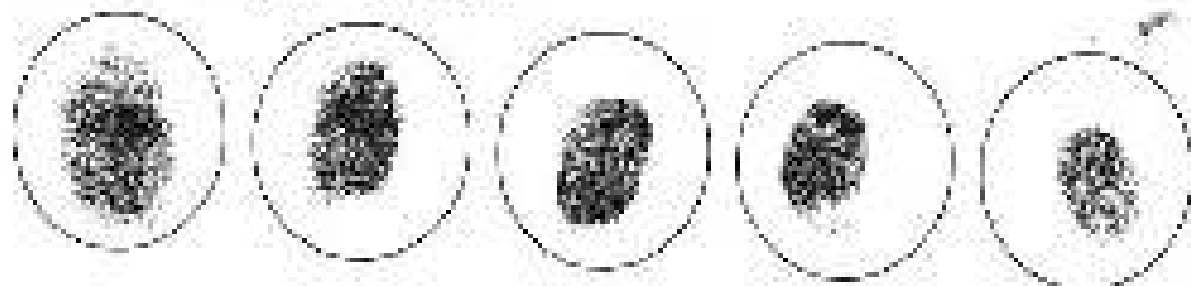
जिट्रेशन अधि० १९०८ की धारा-३२ ए० के अनुपालन हेतु,
फिगरां प्रिन्ट्स

अनुसूचकः / विविक्तः नाम न गता : श्री. अरुण

बसो भाव मे जगुल्लेख के वि- -



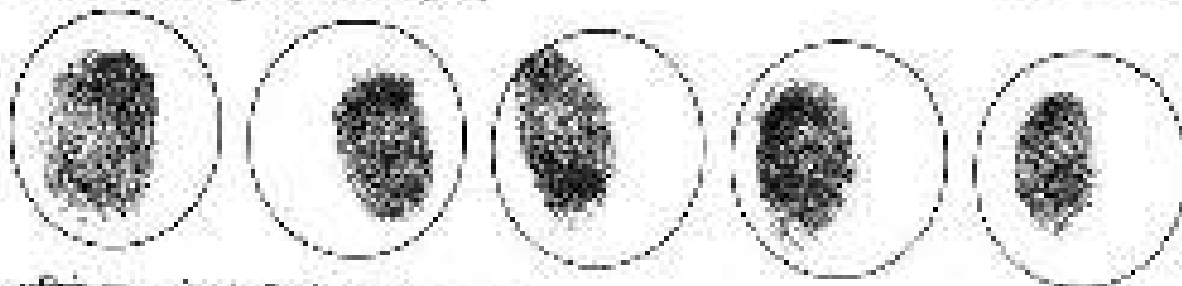
बाहिने साथ के अनुनिर्णय के निम्न :-



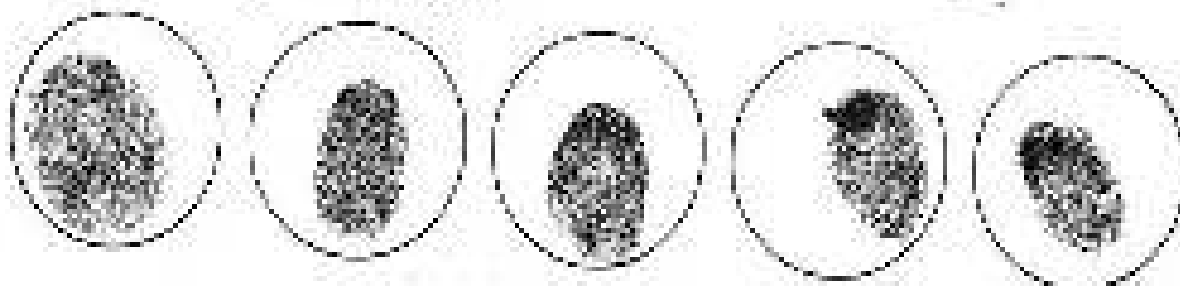
मिस्त्र/अंग्रेजी नाम : विष्णु राणा / मिस्त्र राणा
 पते का पता : पुणे महाराष्ट्र भारत
 माझे हस्त के अंगुलियों के चेषः 10

प्रश्न/उत्तर/विचार

माये ७२४ के अंगुलिनी के चेहरा :-



आदिन तथ के अनुमेयों के विरुद्ध :-



संस्कृत/अंग्रेजी के अंतर

SA
Date



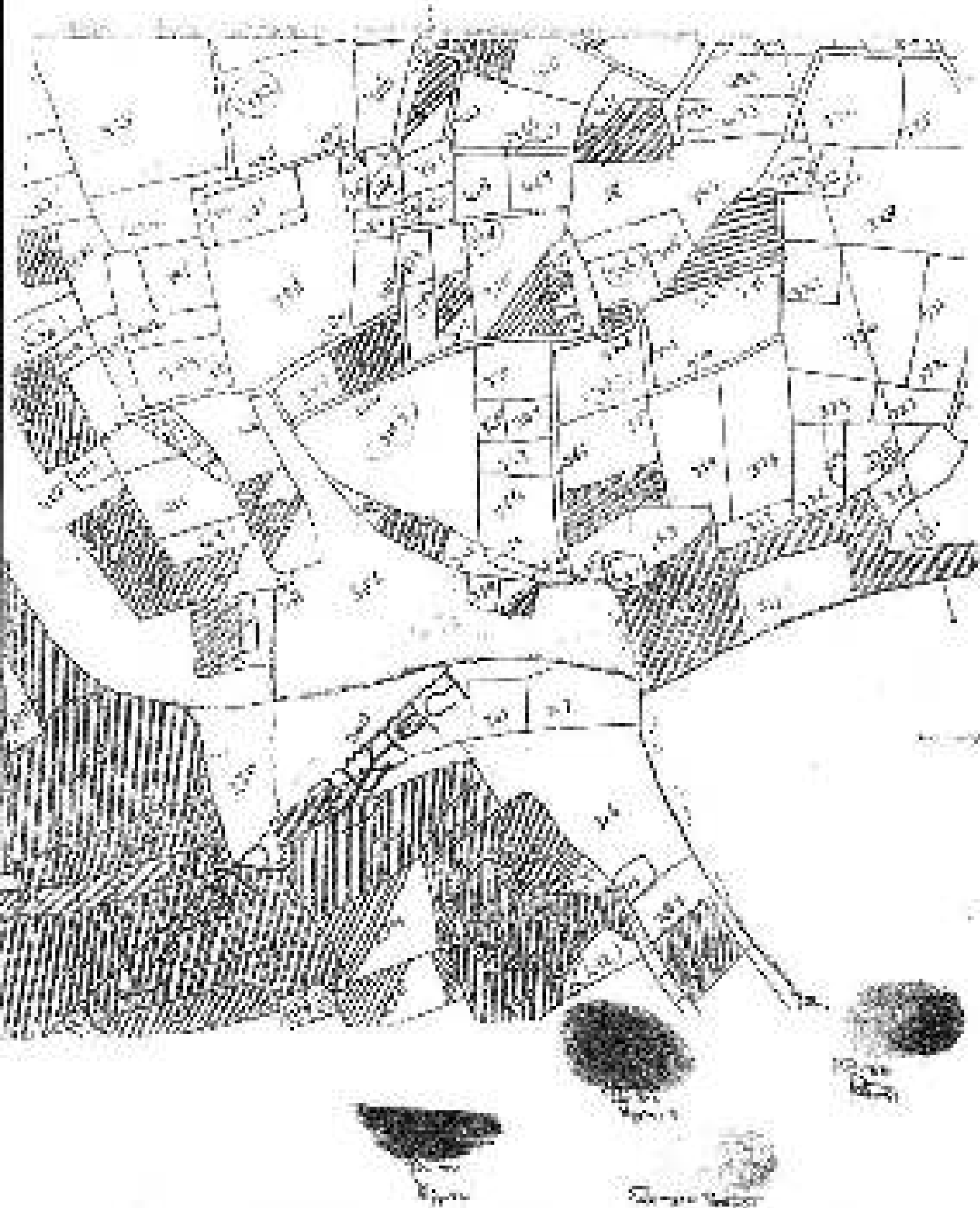
Handwritten text at the top of the page, possibly a title or reference number.

Handwritten text, possibly a date or location.

Handwritten text, possibly a description or note.

Handwritten text, possibly a name or title.

Handwritten text, possibly a signature or date.



१.

भाषा विभाग - दिल्ली
पुस्तक संख्या - I - १६६३
दृष्ट - १९६० - १९६१ - १९६२
विवरण - पुस्तक १९६३
अ - विभाग (पुस्तक)
कलकत्ता

